आनंदालय

विद्या सर्वार्थ साधिका

सामयिक परीक्षा – 3

कक्षा : सातवीं

विषय : हिंदी | अधिकतम अंक : 40

दिनांक : 06-01-2025 | निर्धारित समय:1घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभक्त है : 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल सात प्रश्न हैं |
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए |
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है |
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए |

खंड- 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है । कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है । परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं । दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है । प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है । एक अध्यापक ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था - तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने को अभ्यास करना होगा । हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें । सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी । समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है । आप जागिए, उठिए दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़िए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए ।

(i) मनुष्य के कौन- से गुण जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं ? (1)

(क) परिश्रम, दृढ़ इच्छाशक्ति व लगन (ख) परिश्रम, धन

(ग) साहस, इच्छाशक्ति (घ) संघर्ष और धन

(ii) प्रत्येक समस्या अपने साथ लेकर आती है - (1)

(क) संघर्ष (ख) उन्नति (ग) पैसा (घ) दुःख

(iii) समस्त ग्रंथों और अनुभवों का निष्कर्ष है - (1)

(क) संघर्ष से विमुख होना अहितकर है । (ख) मानव-धर्म के प्रतिकूल है ।

(ग) क और ख दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ने के लिए क्या आवश्यक है ? (2)

(v) 'प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित है।' दिए गए वाक्य का आशय अपने शब्दों में लिखिए | (2)

खंड- 'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए | (7x1=7)

(i) जो कार्य कष्ट उठाकर किया जाता हो | (वाक्यांश के लिए उचित शब्द लिखिए |)

(ii) अपव्यय (शब्द में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए |)

(iii) पढ़ाकू (शब्द में से मूलशब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए |)

(iv) ढलान के कारण पानी नीचे बह रहा है | (क्रियाविशेषण का भेद बताइए |)

(v) चिकना घड़ा होना | (मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य प्रयोग कीजिए |)

(vi) अरे ! तुम आ गए | (विराम चिह्न का भेद बताइए |)

(vii) युद्धक्षेत्र (समास विग्रह कीजिए |)

खंड- 'ग'

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | (4x1=4)

बाबू कुँवर सिंह ने अपने पिता की मृत्यु के बाद सन् 1827 में अपनी रियासत की जिम्मेदारी सँभाली । उन दिनों ब्रिटिश हुकूमत का अत्याचार चरम सीमा पर था । इससे लोगों में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ़ भयंकर असंतोष उत्पन्न हो रहा था । कृषि, उद्योग और व्यापार का तो बहुत ही बुरा हाल था । रजवाड़ों के राजदरबार भी समाप्त हो गए थे । भारतीयों को अपने ही देश में महत्त्वपूर्ण और ऊँची नौकरियों से वंचित कर दिया गया था । इससे ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध देशव्यापी संघर्ष की स्थिति बन गई थी । ऐसी स्थिति में कुँवर सिंह ने ब्रिटिश हुकूमत से लोहा लेने का संकल्प लिया ।

(i) कुँवर सिंह ने रियासत की जिम्मेदारी कब सँभाली ?
(क) सन् 1827 में (ख) सन् 1826 में
(ग) सन् 1822 में (घ) सन् 1825 में

(ii) भारतीयों को कहाँ पर महत्त्वपूर्ण और ऊँची नौकरियों से वंचित कर दिया गया था ?
(क) विदेशों में (ख) अपने ही देश में
(ग) अपने घर में (घ) दूसरे देशों में

(iii) 'लोहा लेना' मुहावरे का अर्थ है -
(क) साहसपूर्वक मुकाबला करना (ख) आदर करना
(ग) सामान खरीदना (घ) व्यापार करना

(iv) जब बाबू कुँवर सिंह ने रियासत सँभाली तो किसका अत्याचार चरम सीमा पर था ?
(क) देशवासियों का (ख) बागियों का
(ग) ब्रिटिश हुकूमत का (घ) क्रांतिकारियों का

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | (3x1=3)

जागो बंसीवारे ललना ! जागो मोरे प्यारे |
रजनी बीती, भोर भयो है, घर-घर खुले किंवारे ।
गोपी दही मथत, सुनियत हैं कंगना के झनकारे ।।
उठो लालजी ! भोर भयो है, सुर - नर ठाढ़े द्वारे ।
ग्वाल - बाल सब करत कुलाहल, जय-जय सबद उचारै ।।
माखन-रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारै ।।

(i) रजनी बीतने पर क्या होता है ?
(क) सुबह हो जाती है। (ख) सभी घरों के दरवाजे खुल जाते हैं।
(ग) गोपियाँ दही को मथकर मक्खन निकालती है। (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) सभी लोग किसकी जय - जयकार कर रहे हैं ?
(क) कान्हा जी की (ख) यशोदा जी की
(ग) नंद बाबा जी की (घ) ग्वालों की

(iii) शरण आया को तारै का आशय है -
(क) शरण में आने वाले पर उपकार करना (ख) शरण में आने वाले को उलाहना देना
(ग) अपमान करना (घ) आरोप लगाना

5. निम्नलिखित चार में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए | (3x3=9)

(i) मीराबाई जी ने सावन का वर्णन किस प्रकार किया है ?

(ii) नीलकंठ चिड़ियाघर के अन्य जीव-जंतुओं का मित्र भी था और संरक्षक भी। वह कैसे ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(iii) 'घमंड मनुष्य के विकास में बाधक होता है |' यदि किसी में घमंड की प्रवृति है तो उसे कैसे दूर किया जा सकता है ? अपने विचार व्यक्त कीजिए |

(iv) मंगल पांडे के बलिदान के बाद स्वतंत्रता सेनानियों ने क्रांति को कैसे आगे बढ़ाया ? यदि आप सन 1857 के समय होते तो आप अपने देश के लिए क्या करते ? अपने शब्दों में लिखिए |

खंड- 'घ'

6. आपके विद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, इसकी सूचना देते हुए छात्र सचिव की ओर से 40 से 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए | (5)

अथवा

आपके विद्यालय में अभिभावकों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन होना निश्चित हुआ है | इसकी सूचना देते हुए प्रधानाचार्य की ओर से 40 से 50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए |

7. दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर 50 से 60 शब्दों में चित्र का वर्णन कीजिए | (5)